Seventeenth Loksabha

pan>

Title: Need to set up more Trauma Care facilities in Jharkhand.

श्री जयंत सिन्हा (हज़ारीबाग): माननीय सभापति महोदय, मैं झारखंड राज्य में यातायात दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या की ओर सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ। ये संख्याएं दर्शाती हैं कि राज्य में और अधिक ट्रॉमा सेंटर व आपातकालीन देखभाल इकाइयों (ईसीयू) की आवश्यकता है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के पास उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, झारखंड में पिछले साल 5,000 से अधिक यातायात दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें रेल दुर्घटनाएं भी शामिल हैं। इन हादसों में 3,901 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी, जिनमें से 90 फीसदी मौतें सड़क हादसों की वजह से हुईं। इनमें से कई लोगों की जान बच सकती थी अगर उन्हें तत्काल आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो पाती या उन्हें उच्च स्तरीय ट्रॉमा सेंटरों में ले जाया जाता। वर्ष 2019 में उद्घाटित रांची के राजेन्द्र इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में राज्य के पहले अत्याधुनिक ट्रॉमा सेंटर में अभी भी मानव संसाधन के साथ-साथ उपकरणों की भी कमी है। यह हमारी जनता के प्रति राज्य सरकार की उदासीनता को दर्शाता है। इसलिए न केवल मौजूदा ट्रॉमा सेंटरों को अपग्रेड करने बल्कि राज्य के सभी जिलों में आधुनिक आपातकालीन देखभाल इकाइयों की स्थापना करने की भी आवश्यकता है। यह राज्य में हर साल जा रही हजारों जानें बचाने व लोगों की सुरक्षा के लिए अत्यावश्यक है।